Quarterly Newsletter

IMD NEWS

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
(Ministry of Earth Sciences)

Volume 17
JAN-MAR 2024
Number 1

इस अंक में

महत्वपूर्ण घटनाएँ	p1
विशेष घटनाएँ	p2-3
कार्यशाला	p4
बैठकें/सम्मेलन	p5-9
प्रशिक्षण	p8
व्याख्यान/बातचीत	p10
विदेशी प्रतिनियुक्ति	p10
समझौता ज्ञापन/प्रशंसाएँ	p10-11
पुरस्कार/अनुसंधान एवं प्रकाशन	p11-12
बुनियादी ढाँचा विकास एवं स्थापनाएँ	p14
आगंतुक	p15
मौसम की जानकारी	p16-18

Published by

India Meteorological Department,
Mausam Bhawan, Lodi Road,
New Delhi - 110 003

Tel. : 011- 24344298
Telefax : 91-11-24699216 &
91-11- 24623220
https://mausamjournal.imd.gov.in/
email : mausampublication@gmail.com

Edited by

Dr. V. K. Soni
Mr. Sunny Chug

Compiled by

Staff of Editorial Office

आईएमडी ने राष्ट्र के प्रति अपनी सेवा का 150वां वर्ष मनाया

आईएमडी ने 15 जनवरी, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में अपनी स्थापना और राष्ट्र की सेवा का 150वां वर्ष मनाया। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री किरेन रिजिजू जी, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) ने इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। एमओईएस सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने समारोह की अध्यक्षता की। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्व महानिदेशक, एमओईएस में विभिन्न सहयोगी संगठनों के प्रमुख, विभिन्न मंत्रालयों के सचिव, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और स्थानीय आयुक्त, विभिन्न आपदा प्रबंधन एजेंसियों के प्रमुख समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के प्रमुखों, आईएमडी के कर्मचारियों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों और प्रेस और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने भाग लिया। माननीय उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में राष्ट्र की सेवा के लिए, विशेष रूप से चक्रवात अम्फान, बिपरजॉय और मोका की सटीक भविष्यवाणी के लिए आईएमडी की सराहना की ।

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी, श्री किरेन रिजिजू जी, माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, एमओईएस, डॉ. एम. रविचंद्रन, सचिव एमओईएस, डॉ. एम. महापात्रा, महानिदेशक आईएमडी, श्रीमती रंजू मदान, डीडीजी (ए) आईएमडी, गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और "आईएमडी के विकास पर स्मारिका" के विमोचन के दौरान

कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियाँ

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा सराहना: माननीय प्रधान मंत्री ने अपने ट्वीट में पिछले 150 वर्षों से राष्ट्र के लिए आईएमडी की सेवाओं की सराहना की। अपने ट्वीट में उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि आईएमडी ने मौसम पूर्वानुमान और जलवायु एवं मौसम सेवाओं के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईएमडी ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण और पर्यावरण के प्रति हमारी समझ को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने इस अवसर पर 1875 से आईएमडी के विकास पर आईएमडी द्वारा जारी वीडियो भी साझा किया। यह यहां उपलब्ध है:

https://x.com/narendramodi/status/1746862479836348455?s=20

उद्घाटन समारोह के दौरान निम्नलिखित रिलीज़ किए गए:

आईएमडी के विकास पर स्मारिका, आईएमडी के विकास पर वृत्तचित्र फिल्म, स्वदेशी रूप से विकसित निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस), पंचायत मौसम सेवा (पीएमएस), आईएमडी का मोबाइल ऐप और जलवायु सेवाओं के लिए राष्ट्रीय ढांचा।

माननीय प्रधान मंत्री ने अपने ट्वीट में पिछले 150 वर्षों से राष्ट्र के लिए आईएमडी की सेवाओं की सराहना की

विशेष घटनाएँ

15 जनवरी, 2024 को क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 150वें स्थापना दिवस का जश्न

आरएमसी गुवाहाटी ने 15 जनवरी, 2024 को भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का 150वां स्थापना दिवस मनाया। आरएमसी गुवाहाटी के कार्यक्रम में डॉ. संजय ओ'नील शॉ वैज्ञानिक 'एफ', का उद्घाटन भाषण था। जिन्होंने आईएमडी की सफल यात्रा के 150 वर्ष पूरे होने पर स्टाफ को बधाई दी।

आरएमसी गुवाहाटी ने मनाया 150वां स्थापना दिवस

मौसम विज्ञान केंद्र शिलांग में आईएमडी के 150वें वर्ष का जश्न स्थानीय आयोजन समिति के गठन के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद गतिविधियों की सावधानीपूर्वक तैयारी और योजना बनाई गई। इसका उद्देश्य एक यादगार और प्रभावशाली कार्यक्रम बनाना था जो आईएमडी की उल्लेखनीय यात्रा का सम्मान करेगा।

मौसम विज्ञान केंद्र, शिलांग में आईएमडी का 150वां वर्ष समारोह

आमंत्रित अतिथि श्री की उपस्थिति में एमसी ईटानगर कार्यालय सेमिनार हॉल में 150 वर्ष का समारोह आयोजित किया गया। अमूल पुतुन, प्रिंसिपल, स्कूल ऑफ बांदेरदेवा, और अरुणाचल प्रदेश और अन्य उल्लेखनीय अतिथि, स्कूली बच्चे, और आदि। एमसी ईटानगर के कर्मचारियों द्वारा छात्रों, मेहमानों के लिए एमसी ईटानगर सतह वेधशाला का एक छोटा दौरा और उपकरण के बारे में बताया गया। मुख्य भाषण सम्मानित मुख्य अतिथि द्वारा दिया गया, जिसके बाद उद्घाटन समारोह को संबोधित करने के लिए वरिष्ठ कर्मचारियों ने भाषण दिया। प्रमुख, एमसी ईटानगर ने समारोह को ऑनलाइन संबोधित किया और धन्यवाद ज्ञापन दिया।

एमसी ईटानगर कार्यालय में 150 साल का जश्न मनाया गया

एमसी कोहिमा के साथ-साथ एएमएस दीमापुर में तैनात सभी अधिकारी एकत्र हुए और अभिवादन और भाषणों का आदान-प्रदान किया और एक-दूसरे को बधाई दी। लोगों को हमारे प्रतिष्ठित संगठन की स्थापना और ऐतिहासिक विकास के बारे में बताया गया । समारोह के संबंध में लोगों के लिए सेल्फी पॉइंट स्थापित किए गए, स्कूली छात्रों के बीच जागरूकता फैलाना, हवाई अड्डे के पास सेल्फी सह जागरूकता पॉइंट स्थापित करना, एमसी कोहिमा और एएमएस दीमापुर में सेवारत कर्मचारियों को विभिन्न स्मृति चिन्ह वितरित करना इत्यादि।

एमसी कोहिमा में 150वें साल का जश्न मनाया गया

एम ओ तेजपुर ने राष्ट्र के प्रति आईएमडी की 150 वर्ष की सेवा का जश्न मनाने के कर्टेन रेजर कार्यक्रम के अवसर पर 15 जनवरी, 2024 को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम के बाद की गतिविधियों के अलावा, 18 जनवरी को एक कार्यशाला भी आयोजित की गई। श्री मनोज कुमार सरमाह, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, दर्रांग कॉलेज, तेजपुर बैठक के सम्माननीय मुख्य अतिथि थे और उन्होंने विभिन्न मौसम और मौसम संबंधी गतिविधियों, मौसम विज्ञान आदि पर प्रकाश डालते हुए भाषण दिया।

एमओ तेजपुर ने 15 जनवरी, 2024 को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया

ए एम एस तेजू ने अपना महत्वपूर्ण कार्यक्रम (150वां वर्ष उत्सव) बड़े उत्साह के साथ मनाया। प्रत्येक सतह उपकरण में उचित लेबलिंग करके सतह वेधशाला में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। इस आयोजन ने न केवल अतीत को याद किया, बल्कि राष्ट्र के प्रति आईएमडी की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए भविष्य के प्रति भी आशा व्यक्त की।

एए एम एस तेजू ने अपना महत्वपूर्ण कार्यक्रम (150वां वर्ष उत्सव) मनाया

सीआरएस पुणे ने जनता के लिए खुली मौसम विज्ञान प्रदर्शनी की व्यवस्था करके 28 फरवरी, 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। प्रदर्शनी में पुणे में आईएमडी की विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। श्री के.एस. होसालिकर, वैज्ञानिक 'जी', सीआर एंड एस, पुणे ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में छात्रों, विद्वानों, पत्रकारों और आम जनता सहित लगभग 1290 आगंतुकों ने भाग लिया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 22 मार्च, 2024 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के माहिका हॉल में 'जलवायु गतिविधियों की अग्रिम पंक्ति पर' विषय पर विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) दिवस मनाया। माननीय पृथ्वी विज्ञान और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री किरेन रिजिजू जी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सचिव एमओईएस, डॉ. एम. रविचंद्रन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक आईएमडी, डॉ. एम. रविचंद्रन, सचिव एमओईएस और श्री किरेन रिजिजू जी ने प्रतिनिधियों को संबोधित किया। समारोह के दौरान निम्नलिखित रिलीज़ किए गए:

यूएनडीपी, डब्लूएमओ और आईएमडी द्वारा डब्लूएमओ दिवस की थीम पर तैयार की गई वीडियो फिल्म का विमोचन।

आईएमडी द्वारा प्रकाशित पुस्तकों/रिपोर्टों का विमोचन।

डब्ल्यूएमओ दिवस की पूर्व संध्या पर छात्रों के लिए आईएमडी द्वारा आयोजित एक्सटेम्पोर भाषण, 150वें वर्ष के लोगो और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण।

आईएमडी कर्मचारियों को उनकी समर्पित और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुरस्कृत योग्यता प्रमाणपत्र।

23 मार्च 2024 को, सीआर एंड एस पुणे ने मौसम विज्ञान प्रदर्शनी की व्यवस्था करके विश्व मौसम विज्ञान दिवस मनाया। सीआर एंड एस पुणे की मौसम और जलवायु सेवाओं की गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाली 'एट द फ्रंटलाइन क्लाइमेट एक्शन' थीम पर प्रदर्शनी का उद्घाटन सीआर एंड एस के एलएसीडी प्रमुख डॉ. अनुपम कश्यपी ने किया। प्रदर्शनी में मौसम विज्ञान और भूकंपीय उपकरणों का लाइव प्रदर्शन, छात्रों के लिए मौसम अवलोकन के लिए 'मौसम पर्यवेक्षक बनें' खंड, मौसम क्विज कॉर्नर और 'अंटार्कटिका अभियान' पर एक लघु वृत्तचित्र फिल्म दिखाई गई। छात्रों, वैज्ञानिकों, विद्वानों, पत्रकारों सहित लगभग 450 आगंतुकों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। सभी आगंतुकों ने बड़े उत्साह के साथ अपनी टिप्पणियाँ अंकित कीं। कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें नीचे दी गई हैं।

छात्रों, वैज्ञानिकों, विद्वानों, पत्रकारों सहित आगंतुकों ने विश्व मौसम विज्ञान दिवस, 2024 के दौरान सीआर एंड एस पुणे में प्रदर्शनी का दौरा किया।

छात्रों, वैज्ञानिकों, विद्वानों, पत्रकारों सहित आगंतुकों ने विश्व मौसम विज्ञान दिवस, 2024 के दौरान सीआर एंड एस पुणे में प्रदर्शनी का दौरा किया

आईएमडी की स्थापना के 150वें वर्ष के दौरान, एक विज्ञान आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया था जहां सीआर एंड एस, पुणे में लगभग 70 इंजीनियरिंग छात्रों को सर्वर, एडब्ल्यूएस स्टेशन, विकिरण माप और अंशांकन सुविधाओं के कामकाज के बारे में समझाया गया था।

इनसैट एडब्ल्यूएस और सेंट्रल रेडियैब लैबोरेटरी पाषाण, एसआईडी सीआरएस, पुणे में 150 साल का आईएमडी उत्सव

विश्व मौसम विज्ञान दिवस 22 मार्च, 2024 को नई दिल्ली में मनाया गया। माननीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री, श्री किरण रिजिजू और डॉ. एम. रविचंद्रन, सचिव एमओईएस ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर माननीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री द्वारा विभिन्न स्कूली बच्चों के लिए आईएमडी नई दिल्ली द्वारा आयोजित क्विज़, एक्सटेम्पोर जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार और आईएमडी कर्मचारियों को योग्यता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेता स्कूली बच्चे

सीआर एंड एस, पुणे में विश्व मौसम विज्ञान दिवस के अवसर पर

विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेता स्कूली बच्चे

मानव संसाधन विकास गतिविधियाँ

कार्यशाला

श्री के. सी. साईकृष्णन, वैज्ञानिक 'जी' और **डॉ. ए.के. मित्रा,** वैज्ञानिक 'एफ' (परियोजना निदेशक कैल/वैल) ने **17-22** जनवरी, **2024** की अवधि के दौरान भुज में आयोजित एसएसी अहमदाबाद के सहयोग से आईएमडी के संयुक्त कैल/वैल अभियान में भाग लिया।

डॉ. एस. आई. लस्कर, वैज्ञानिक 'ई' ने **21-25** जनवरी, **2024** के दौरान मनामा, बहरीन में 'जलवायु सेवाओं में दक्षताओं के कार्यान्वयन' पर डब्ल्यूएमओ क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. एस. आई. लस्कर, वैज्ञानिक 'ई' ने डब्ल्यूएमओ क्षेत्रीय कार्यशाला मनामा, बहरीन में भाग लिया।

आईएमडी के महानिदेशक **डॉ. मृत्युंजय महापात्र** ने **2-3** फरवरी, **2024** के दौरान हैदराबाद में भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) द्वारा आयोजित महासागर दशकीय कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने **3** फरवरी, **2024** को हैदराबाद में आईएनसीओआईएस के **25**वें स्थापना दिवस समारोह में भी भाग लिया। **डॉ. ओ. पी. श्रीजीत,** वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. पी.एल.एन. मूर्ति**, वैज्ञानिक 'ई' और **श्रीमती मोनिका शर्मा,** वैज्ञानिक 'डी' आईएमडी ने भी उपरोक्त कार्यक्रम में भाग लिया।

13 फरवरी को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में एनडीएमए द्वारा आयोजित हीट वेव- **2024** पर राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान आईएमडी के महानिदेशक **डॉ. मृत्युंजय महापात्र** ने भाग लिया और "मौसम सेवाएं और हीट वेव चेतावनियों की प्रभावशीलता" पर प्रस्तुत दी ।

श्रीमती आरती बी बंडगर, वैज्ञानिक 'डी' ने **15** फरवरी, **2023** को पुरंदर पंचायत समिति में पुणे नॉलेज क्लस्टर द्वारा फील्ड कार्यकर्ताओं के लिए वेक्टर जनित बीमारियों पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया और रोग डेटा विश्लेषण के महत्व और रोग प्रसार और भविष्यवाणी को समझने में रोग डेटा के उपयोग पर एक व्याख्यान दिया (डेंगू और चिकनगुनिया पर विशेष फोकस।

श्री राजा आचार्य, मेट-बी, ने **19-20** फरवरी, **2024** को आयोजित "स्वचालित अवलोकन स्टेशनों और प्लेटफार्मों से प्रथम-मील डेटा संग्रह का मानकीकरण" पर डब्ल्यूएमओ वर्चुअल कार्यशाला में भाग लिया और "एआई के माध्यम से प्राकृतिक खतरों के प्रति लचीलापन समाधान" पर मैरीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका में आईटीयू/डब्ल्यूएमओ/यूएनईपी और नासा द्वारा आयोजित वर्चुअल कार्यशाला में **13** मार्च, २०२४ को भाग लिया।

डॉ. कृपान घोष, **वैज्ञानिक** 'एफ' ने आईआईटी, खड़गपुर में संयुक्त रूप से आईआईटी, खड़गपुर में "जापान में जलवायु स्मार्ट खेती की लचीली प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं और भारतीय किसानों और कृषि-तकनीक स्टार्ट-अप उद्यमियों के लिए अवसर" विषय पर दो दिवसीय द्विपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला 6-7 मार्च, 2024 तक खड़गपुर, आईसीआरआईएसएटी, हैदराबाद और टोयामा विश्वविद्यालय, जापान में आयोजित की गई ।कार्यशाला के दौरान, उन्होंने **6** मार्च, **2024** को "कृषि में जोखिमों के प्रबंधन के लिए भारत में कृषि मौसम सलाहकार सेवाएं" पर एक व्याख्यान भी दिया। उन्होंने कार्यशाला में प्रस्तुत वैज्ञानिक शोध पत्रों के लिए मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष के साथ-साथ समापन सत्र में पैनलिस्टों में से एक के रूप में भी कार्य किया।

डॉ. (सुश्री) मधुलता अक्किसेटी, वैज्ञानिक 'डी' ने दिनांक **06-09** मार्च, **2024** को "थंडरस्टॉर्म मॉनिटरिंग एंड फोरकास्टिंग वर्कशॉप" पर वर्चुअल कार्यशाला में भाग लिया और "हाइड्रोमेटोरोलॉजिकल खतरों-भूमि सतह प्रक्रियाओं के प्रभाव, टीएक्स पूर्वानुमान को और बेहतर बनाने के लिए डायग्नोस्टिक उत्पाद" पर प्रस्तुति दी।

एमसी शिलांग के अधिकारी और कर्मचारी **श्री थंगजलाल ल्हौवम,** वैज्ञानिक 'डी', **श्री टी.टी. हाओकिप,** एसए, **श्री टी. नगाइहते,** एसए, **श्री एन. वारबाह,** एसए और **श्रीमती रोज़ी एल,** एसए, ने नाउकास्ट डिवीजन, एनडब्ल्यूएफसी द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से **06-09** मार्च **2024** तक आयोजित "थंडरस्टॉर्म मॉनिटरिंग एंड फोरकास्टिंग" पर प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. कृपान घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने आईआईटीएम और आईएमडी, पुणे के सहयोग से भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी, पुणे चैप्टर (आईएमएसपी) द्वारा **18** मार्च २०२४ को आयोजित वार्षिक मानसून कार्यशाला (एएमडब्ल्यू-**2023**) के दौरान आईआईटीएम, पुणे में "मानसून **2023** के दौरान कृषि सेवाएं" पर एक मुख्य भाषण दिया।

बी. सुदर्शन पात्रो, वैज्ञानिक 'डी' ने **19-20** मार्च, **2024** तक संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित डेटा-संचालित पूर्वानुमान विश्लेषण और मॉडलिंग **-2024** (डीडीपीएएम **-2024**) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्वचालित मौसम स्टेशन डेटा का उपयोग करके लापता वर्षा डेटा को लागू करने के विभिन्न तरीकों" पर ऑनलाइन प्रस्तुति दी।

बैठकें/वीडियो कॉन्फ्रेंस

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी और **डॉ. आर.के. जेनामणि**, वैज्ञानिक 'जी' ने आगामी चुनावों के दौरान मौसम संबंधी अपडेट के संबंध में **5** जनवरी, **2024** को भारत निर्वाचन आयोग की बैठक में भाग लिया।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने **18** जनवरी, **2024** को "राष्ट्रीय बिजली सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम (एनएलएसईएपी)" पर एनडीएमए के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एससी-एनईसी) की उप-समिति की बैठक में भाग लिया।

श्री राजा आचार्य, मेट-बी, ने **20** जनवरी, **2024** को एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार "प्रक्षेपण वाहन, उपग्रह और लैंडिंग मिशन के लिए प्रणोदन प्रणाली में प्रगति" में वस्तुतः भाग लिया।

डॉ. अशोक कुमार दास, वैज्ञानिक 'एफ' ने दिनांक: **21** जनवरी, **2024** को सी-डैक पुणे द्वारा आयोजित भारत के नदी घाटियों में बाढ़ की भविष्यवाणी के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की छठी परियोजना निगरानी समिति की बैठक में भाग लिया।

श्री के. सी. साईकृष्णन, वैज्ञानिक 'जी' और **डॉ. ए.के. मित्रा**, वैज्ञानिक '**F**' ने **22** जनवरी, **2024** को बेंगलुरु में **INSAT-3DS** की प्री-शिपमेंट समीक्षा में भाग लिया।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने **24** और **25** जनवरी, **2024** को संदर्भ की शर्तों और संबंधित कार्यों से परिचित होने के संबंध में डब्ल्यूएमओ ब्यूरो {बीयूआर-**82**} के अस्सीवें सत्र में भाग लिया।

एनआरएससी, इसरो, डीओएस, एनआईडीएम और एनडीएमए के अधिकारियों ने **29** जनवरी, **2024** को चक्रवात जोखिम शमन और प्रतिक्रिया योजना के लिए वेब-डीसीआरए और डीएसएस टूल पर एक परिचित बैठक के लिए आईएमडी का दौरा किया। डीजी आईएमडी, **डॉ. मृत्युंजय महापात्र** ने बैठक की अध्यक्षता की। डॉ. आनंद कुमार दास, वैज्ञानिक 'एफ' ने चक्रवात चेतावनी सेवाओं और वेब डीसीआरए टूल पर प्रस्तुति दी।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने **30** जनवरी, **2024** को विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के संयुक्त सहयोगात्मक बोर्ड (जेसीबी) और अंतर सरकारी समुद्र विज्ञान आयोग (आईओसी) के सह-अध्यक्षों की बैठक में भाग लिया।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने **6-7** फरवरी, **2024** के दौरान जिनेवा में उपग्रह मामलों पर उच्च स्तरीय नीति पर परामर्शदात्री बैठक के **15**वें सत्र में भाग लिया और बैठक के दौरान मौसम की निगरानी और पूर्वानुमान के लिए उपग्रह अनुप्रयोगों में भारत की भूमिका पर एक प्रस्तुति दी। . **डब्ल्यूएमओ महासचिव** ने आईएमडी के महानिदेशक डॉ. एम. महापात्र को बधाई वीडियो संदेश भेजा था, जिसे आईएमडी की स्थापना के **150**वें वर्ष के दौरान प्रदर्शित किया गया था।

आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने भाग लिया परामर्शदात्री बैठक का 15वाँ सत्र

डॉ. ए.के. मित्रा, वैज्ञानिक 'एफ' ने **12** फरवरी, **2024** को एमसीएफ और एसएसी के बीच ग्राउंड सेगमेंट इंटरफेस पर चर्चा करने के लिए इन्सैट-**3** डी, **3** डीआर टास्क टीम की बैठक में भाग लिया।

डॉ. कृपान घोष, प्रमुख, कृषि मौसम प्रभाग और **डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा**, वैज्ञानिक 'डी' ने कृषि आयुक्त कार्यालय, महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित "मिट्टी और जल संरक्षण के विभिन्न उपायों के तकनीकी और आर्थिक मापदंडों को निर्धारित करने के लिए" ऑनलाइन बैठक में **15** फरवरी, **2024** को भाग लिया। ।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने **श्री के.एस. होसालिकर**, वैज्ञानिक 'जी' के साथ **16** फरवरी, **2024** को व्यवस्थित अवलोकन पूर्वानुमान (एसओएफएफ) के संदर्भ में जीबीओएन राष्ट्रीय योगदान योजना पर वेबिनार में भाग लिया।।

आईएमडी के महानिदेशक **डॉ. मृत्युंजय महापात्र** ने **17** फरवरी, **2024** को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ**14**/इनसैट-**3**डीएस अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण में भाग लिया।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, डीजी आईएमडी ने **20** फरवरी, २०२४ को एसोसिएशन ऑफ जियोस्पेशियल इंडस्ट्रीज (एजीआई इंडिया) द्वारा आयोजित "जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजीज एक्सीलरेटिंग नेशनल डेवलपमेंट" थीम पर इंडिया जियोस्पेशियल लीडरशिप समिट **2024** के दौरान "आईएमडी भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके राष्ट्रीय विकास की दिशा में काम करता है" विषय पर विशेष भाषण दिया।

अक्टूबर-दिसंबर, 2023 तिमाही के लिए एक्रॉस-आईएमडी के तहत गतिविधियों की प्रगति की निगरानी करने और सफल कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त उपचारात्मक उपाय सुझाने के लिए परियोजना निगरानी और सलाहकार समिति (पीएमएसी) की 16वीं समीक्षा बैठक 20 फरवरी, 2024 को वीसी के माध्यम से आयोजित की गई थी।

डॉ. सत्यभान बी. रत्ना, वैज्ञानिक 'ई' ने 20 फरवरी, 2024 को CLIVAR/GEWEX मॉनसून पैनल के सदस्य के रूप में WG-AMM (अमेरिकी मॉनसून पर कार्य समूह) के सदस्यों के साथ एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'एफ' ने 20-22 फरवरी, 2024 को वर्चुअल मोड में पोर्ट ऑफ स्पेन, त्रिनिदाद और टोबैगो, कैरेबियन टेलीकॉम यूनियन (सीटीयू) में आयोजित रेडियो फ्रीक्वेंसी समन्वय (ईटी-आरएफसी) पर विशेषज्ञ टीम की पांचवीं बैठक में भाग लिया।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने 24 फरवरी, 2024 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से "ग्लोबल वार्मिंग" विषय पर एसपीएसटीआई, चंडीगढ़, एनएएसआई, आईएनएसए, आईएनवाईएएस के चैप्टर के सदस्यों के साथ पैनल चर्चा/इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने 26 फरवरी, 2024 को शिपिंग महानिदेशक मुंबई के कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के सदस्यों की भारतीय राज्य लेखा परीक्षा की उद्घाटन बैठक में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता सचिव, शिपिंग ने की।

डॉ. ए.के. मित्रा, वैज्ञानिक 'एफ' ने पंचायती राज मंत्रालय के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में सतत संचालन संदर्भ स्टेशनों (सीओआरएस) पर मौसम मॉड्यूल निगमन पर चर्चा करने के लिए बैठक में भाग लिया और **27** फरवरी, **2024** को आईएमडी की जीएनएसएस प्रणाली के बारे में इनपुट प्रदान किया।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने **डॉ. टी. श्रीनिवास**, निदेशक आईएनसीओआईएस के साथ सह-अध्यक्षता की, अंतर सरकारी समुद्र विज्ञान आयोग (आईओसी) और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के संयुक्त सहयोगात्मक बोर्ड (जेसीबी) की **27** -**29** फरवरी, २०२४ के दौरान जेसीबी (ऑनलाइन) की बैठक हुई।

डॉ. मधुलता अक्किसेटी, वैज्ञानिक 'डी' ने **2023** में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड राज्य में व्यापक बाढ़ के मद्देनजर संयुक्त बाढ़ प्रबंधन अध्ययन के लिए समिति की दूसरी बैठक में **29** फरवरी, **2024** को समिति कक्ष, सीडब्ल्यूसी, दूसरी मंजिल, सेवा भवन आर.के. पुरम, नई दिल्ली में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक आईएमडी के साथ **डॉ. डी. आर. पटनायक**, वैज्ञानिक 'एफ' और **श्रीमती मोनिका शर्मा**, वैज्ञानिक 'डी' ने **4** मार्च, **2024** को चक्रवात 'तौकता' के बाद एचएलसी द्वारा की गई सिफारिशों को लागू करने के लिए उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) समिति की पहली बैठक में भाग लिया।

डॉ. ए.के. मित्रा, वैज्ञानिक 'एफ' ने अंतरिक्ष मौसम सूचना सेवाओं के लिए लागत वसूली तंत्र के आईसीएओ के प्रस्ताव के संबंध में **6** मार्च, **2024** को अनुवर्ती बैठक में भाग लिया और नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में सुझावों के लिए योगदान दिया।

डॉ. आशुतोष मिश्रा, वैज्ञानिक 'डी', **डॉ. जया धामी परिहार**, वैज्ञानिक 'डी' और **डॉ. आशा लटवाल**, वैज्ञानिक 'सी' ने प्रमुख, एएएसडी, आईएमडी, नई दिल्ली की अध्यक्षता में "किसानों और कृषिविदों के लिए अनुकूलित मौसम सेवाओं को विकसित करने के लिए मौसम विज्ञान और डेटा विज्ञान के संयोजन से सौर और एआईओटी संचालित सटीक खेती" पर ध्यान केंद्रित करने वाली स्टार्ट-अप परियोजना की योजना पर चर्चा करने के लिए **8** मार्च, २०२४ को श्री शिशिर चंद्रा, सीईओ, नवरीति इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड और एएएसडी, नई दिल्ली के वैज्ञानिक के साथ ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. ए.के. मित्रा, वैज्ञानिक 'एफ', जीएसआईसीएस ईपी वार्षिक बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए ग्लोबल स्पेस-आधारित इंटर-कैलिब्रेशन सिस्टम (जीएसआईसीएस) की वार्षिक बैठक **11-15** मार्च, **2024** के दौरान जर्मनी के डार्मस्टेड में **EUMETSAT** मुख्यालय में हुई। उन्होंने **CALVAL** पर **IMD** की एजेंसी रिपोर्ट का प्रतिनिधित्व किया। जीएसआईसीएस बैठक अंतर-अंशांकन एल्गोरिदम के विकास के समन्वय और अन्य प्रासंगिक अंशांकन-संबंधित विषयों की खोज के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है।

डॉ. कृपान घोष, वैज्ञानिक 'एफ' और **डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा,** वैज्ञानिक 'डी' ने राज्य कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश,सरकार के अधिकारियों, एमसी लखनऊ और एएएसडी, नई दिल्ली के साथ "राज्य पोर्टल और एआई चैटबॉट के साथ आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम सलाह के एकीकरण" के संबंध में **12** मार्च, **2024** को ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. कृपान घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने **12-13** मार्च, **2024** को आरएमसी गुवाहाटी में "वार्षिक मानसून समीक्षा (एएमआर) -वार्षिक चक्रवात समीक्षा (एसीआर) **-2024**" बैठक में भाग लिया और "किसानों और संबंधित क्षेत्रों के लिए मौसम संबंधी सेवाएं: आईबीएफ, आउटरीच और रास्ता" पर प्रस्तुति पर **12** मार्च, **2024** को दी।

डॉ. ओ. पी. श्रीजीत, वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. सत्यभान बी. रत्ना,** वैज्ञानिक 'ई', **श्रीमती. आरती बंडगर,** वैज्ञानिक 'डी', **डॉ. सबीअली,** वैज्ञानिक 'सी' और **डॉ. रोहिणी पी.**, वैज्ञानिक 'सी' ने **12** मार्च, **2024** को यूकेएमओ और रिम्स के साथ एसएएससीओएफ-**28** योजना बैठक (ऑनलाइन) में भाग लिया।

श्री के.एस. होसालिकर, वैज्ञानिक 'जी', **डॉ. ओ. पी. श्रीजीत,** वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. सत्यभान बी. रत्ना,** वैज्ञानिक 'ई' ने **13** मार्च, **2024** को "आरसीओएफ के बीच सीखने और साझा करने के लिए डब्लूएमओ और मौसम कार्यालय कार्यशाला: निर्णय-निर्माता सहभागिता" बैठक (ऑनलाइन) में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने **12-13** मार्च, **2024** के दौरान गुवाहाटी में आईएमडी द्वारा आयोजित वार्षिक चक्रवात समीक्षा और वार्षिक मानसून समीक्षा बैठक **2024** की अध्यक्षता की। **श्री एस. सी. भान**, वैज्ञानिक 'जी', **श्री एस.के. माणिक**, वैज्ञानिक 'डी' और **डॉ. मधुलता अक्किसेटी,** वैज्ञानिक 'डी' ने **12-13** मार्च, **2024** को एसीआर और एएमआर बैठक में भाग लिया और **2023** के दौरान हाइड्रोमेट सेवाओं और वर्ष **2024** के लिए हालिया प्रगति और योजना पर प्रस्तुति दी।

आईएमडी के महानिदेशक **डॉ. एम महापात्र** ने **15** मार्च, **2024** को पीएम कार्यालय में "भारत मौसम विज्ञान विभाग के कार्यों और मौसम पूर्वानुमान का अद्यतन" पर एक प्रस्तुति दी।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने **18** मार्च, **2024** को भाग लेने वाले संगठनों से प्राप्त इनपुट पर चर्चा करने के लिए **श्री कमल किशोर,** सदस्य और एचओडी एनडीएमए की अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन सहयोग (ईजी-डीएमसीएफ) पर बिम्सटेक विशेषज्ञ समूह की डीआरआर कार्य योजना और अन्य संबंधित मुद्दों को अंतिम रूप देने हेतु दूसरी बैठक में भाग लिया।

आईएमडी के महानिदेशक **डॉ. एम. महापात्र** ने सहायक **श्री एली चांग** के साथ **19** मार्च, **2024** को भारत में ताइवान आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र (**TECC**) के निदेशक, ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन (**CWA**) और **IMD** के बीच संभावित साझेदारी पर चर्चा बैठक की।

डॉ. ए.के. मित्रा, वैज्ञानिक 'एफ' ने **19-22** मार्च, **2024** के दौरान मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में डब्ल्यूएमओ-डीबीनेट समन्वय समूह की बैठक में भाग लिया और पोलर माइक्रोवेव, डेटा रिसेप्शन और एनआरएससी हैदराबाद और अन्य केंद्रों से वर्तमान डेटा प्रवाह के संबंध में आईएमडी की समग्र गतिविधियों को प्रस्तुत किया।

आईएमडी के महानिदेशक **डॉ. एम. महापात्र** ने **20** मार्च, **2024** को वीसी के माध्यम से **सुश्री एलेक्जेंड्रा लोवेस्काया**, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रमुख, टैलेंट एंड सक्सेस एजुकेशनल फाउंडेशन, 'सिरियस' साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, रूस के साथ बैठक की।

श्री के.एस. होसालिकर, वैज्ञानिक 'जी', **डॉ. ओ. पी. श्रीजीत**, वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. सत्यभान बी. रत्ना**, वैज्ञानिक 'ई', ईएनएसओ के स्वास्थ्य प्रभावों पर डब्ल्यूएचओ/डब्ल्यूएमओ परियोजना में शामिल हुआ - आरसीसी पुणे के साथ परिचयात्मक बैठक (ऑनलाइन), **21** मार्च, **2024**।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक आईएमडी और **डॉ. डी. आर. पटनायक**, वैज्ञानिक 'एफ' ने **22** मार्च, **2024** को वित्त मंत्रालय में वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन कार्यक्रम (एफएसएपी) अभ्यास - जलवायु मॉडलिंग और डेटा पर बैठक में भाग लिया।

डॉ. आर.के. गिरि, वैज्ञानिक 'एफ' ने **22** मार्च, **2024** को वीसी के माध्यम से चौथी टीसीसी वर्चुअल अपडेट मीटिंग में भाग लिया।

डॉ. शंकर नाथ, वैज्ञानिक 'एफ' ने **26-27** मार्च, **2024** को ज़ूम के माध्यम से विषयगत सूचना सत्र - **WIS**पूर्वी गोलार्ध में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी आईएमडी ने **26** मार्च, **2024** को पीएम कार्यालय में हिमालय में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) खतरे पर तैयारियों पर पीएम के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में बैठक में भाग लिया।

डॉ. आर.के. गिरि, वैज्ञानिक 'एफ', आईएमडी ने **26** मार्च, **2024** को वीसी के माध्यम से डब्ल्यूएमओ क्षेत्रीय तंत्र और दृष्टिकोण की व्यापक समीक्षा पर ईसी टास्क फोर्स की बैठक में भाग लिया।

डॉ. सत्यभान बी. रत्ना, वैज्ञानिक 'ई' ने **26** मार्च, **2024** को **CLIVAR** क्लाइमेट डायनेमिक पैनल (सीडीपी) **2024** की पहली बैठक में भाग लिया।

डॉ. शंकर नाथ, वैज्ञानिक 'एफ', आईएमडी ने **27** मार्च, **2024** को ज़ूम के माध्यम से विषयगत सूचना सत्र - विगोस - नेटवर्क - पूर्वी गोलार्ध में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक आईएमडी, **श्री एस. सी. भान**, वैज्ञानिक 'जी' और **डॉ. शेषा कुमार**, वैज्ञानिक 'ई' ने **27** मार्च, **2024** को कृषि सलाह के लिए किसानों तक पहुंच में सुधार के बारे में चर्चा करने के लिए सचिव, डीए एंड एफडब्ल्यू की अध्यक्षता में बैठक में भाग लिया।

सम्मेलन

डॉ. सत्यभान बी. रत्ना, वैज्ञानिक 'ई' ने 8 जनवरी, 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा आईआईटीएम सीसीसीआर सर्वर टीईसी बैठक में भाग लिया।

डॉ. सत्यभान बी. रत्ना, वैज्ञानिक 'ई' ने पूर्वोत्तर भारत के लिए एक हितधारक परामर्श कार्यशाला आयोजित करने के प्रस्ताव के लिए 9 जनवरी, 2024 को अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ एक वीडियो सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. ओ. पी. श्रीजीत, वैज्ञानिक 'एफ' ने 1 से 3 फरवरी, 2024 तक INCOIS, हैदराबाद में "हिंद महासागर क्षेत्रीय दशक सम्मेलन 2024" में भाग लिया।

बी. सुदर्शन पात्रो, वैज्ञानिक 'डी' ने 8-10 फरवरी, 2024 को संयुक्त रूप से आयोजित जलवायु परिवर्तन और कृषि पारिस्थितिकी तंत्र: खतरे, अवसर और समाधान (आईएनएजीएमईटी-2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "दीर्घकालिक अल्पकालिक मेमोरी एल्गोरिदम का उपयोग करके दैनिक वर्षा भविष्यवाणी" पर एक प्रस्तुति दी। एसोसिएशन ऑफ एग्रोमेटोरोलॉजिस्ट्स बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी और भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा कृषि मौसम विज्ञान पर दक्षिण एशियाई फोरम।

डॉ. सत्यभान बी. रत्ना, वैज्ञानिक 'ई' ने 14 फरवरी, 2024 को वेबिनार "जलवायु परिवर्तन के तहत मानसून की शुरुआत और वापसी का पूर्वानुमान: भारतीय परिप्रेक्ष्य" में भाग लिया।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने 15 फरवरी, 2024 को इमली हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोदी रोड, नई दिल्ली में आपदा लचीलापन - 2024 - आपदा न्यूनीकरण हितधारकों को एकजुट करने पर सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. सत्यभान बी. रत्ना, वैज्ञानिक 'ई' ने 8 जनवरी, 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा आईआईटीएम सीसीसीआर सर्वर टीईसी बैठक में भाग लिया।

डॉ. सत्यभान बी. रत्ना, वैज्ञानिक 'ई' ने पूर्वोत्तर भारत के लिए एक हितधारक परामर्श कार्यशाला आयोजित करने के प्रस्ताव के लिए 9 जनवरी, 2024 को अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ एक वीडियो सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. ओ. पी. श्रीजीत, वैज्ञानिक 'एफ' ने 1 से 3 फरवरी, 2024 तक INCOIS, हैदराबाद में "हिंद महासागर क्षेत्रीय दशक सम्मेलन 2024" में भाग लिया।

बी. सुदर्शन पात्रो, वैज्ञानिक. 'डी' ने 8-10 फरवरी, 2024 को संयुक्त रूप से आयोजित जलवायु परिवर्तन और कृषि पारिस्थितिकी तंत्र: खतरे, अवसर और समाधान (आईएनएजीएमईटी-2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "दीर्घकालिक अल्पकालिक मेमोरी एल्गोरिदम का उपयोग करके दैनिक वर्षा भविष्यवाणी" पर एक प्रस्तुति दी। एसोसिएशन ऑफ एग्रोमेटोरोलॉजिस्ट्स बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी और भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा कृषि मौसम विज्ञान पर दक्षिण एशियाई फोरम।

डॉ. सत्यभान बी. रत्ना, वैज्ञानिक 'ई' ने 14 फरवरी, 2024 को वेबिनार "जलवायु परिवर्तन के तहत मानसून की शुरुआत और वापसी का पूर्वानुमान: भारतीय परिप्रेक्ष्य" में भाग लिया।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने 15 फरवरी, 2024 को इमली हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोदी रोड, नई दिल्ली में आपदा लचीलापन - 2024 - आपदा न्यूनीकरण हितधारकों को एकजुट करने पर सम्मेलन में भाग लिया।

बी. सुदर्शन पात्रो, वैज्ञानिक 'डी' ने 16-18 फरवरी, 2024 को आईआईटी खड़गपुर द्वारा आयोजित औद्योगिक इंजीनियरिंग और एनालिटिक्स थीम: "डेटा टू डिसीजन" (आईसीओएनआईईए-2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आवर्ती तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके दैनिक वर्षा भविष्यवाणी" पर एक प्रस्तुति दी। .

डॉ.कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'एफ' ने 20 फरवरी, 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजीज एक्सीलरेटिंग नेशनल डेवलपमेंट थीम पर वर्चुअल मोड में इंडिया जियोस्पेशियल लीडरशिप समिट 2024 (आईजीएलएस 2024) में भाग लिया।

श्री एस.के. माणिक, वैज्ञानिक 'डी' ने 4 मार्च, 2024 को स्कोप कन्वेंशन सेंटर, स्कोप कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली में "सार्वजनिक खरीद में हालिया प्रगति" सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. सत्यभान बी. रत्ना, वैज्ञानिक 'ई' ने 6 मार्च, 2024 को संयुक्त WCRP/WWRP वेबिनार श्रृंखला: अफ्रीकी मानसून में भाग लिया।वैज्ञानिक 'डी' ने 16-18 फरवरी, 2024 को आईआईटी खड़गपुर द्वारा आयोजित औद्योगिक इंजीनियरिंग और एनालिटिक्स थीम: "डेटा टू डिसीजन" (आईसीओएनआईईए-2024) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आवर्ती तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके दैनिक वर्षा भविष्यवाणी" पर एक प्रस्तुति दी।

डॉ.कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'एफ' ने 20 फरवरी, 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजीज एक्सीलरेटिंग नेशनल डेवलपमेंट थीम पर वर्चुअल मोड में इंडिया जियोस्पेशियल लीडरशिप समिट 2024 (आईजीएलएस 2024) में भाग लिया।

श्री एस.के. माणिक, वैज्ञानिक 'डी' ने 4 मार्च, 2024 को स्कोप कन्वेंशन सेंटर, स्कोप कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली में "सार्वजनिक खरीद में हालिया प्रगति" सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. सत्यभान बी. रत्ना, वैज्ञानिक 'ई' ने 6 मार्च, 2024 को संयुक्त WCRP/WWRP वेबिनार श्रृंखला: अफ्रीकी मानसून में भाग लिया।

प्रशिक्षण

एमआई और आईएस में एडवांस ट्रेनिंग कोर्स, बैच नंबर 13 और डायरेक्ट रिक्रूटेड साइंटिस्ट कोर्स (इंस्ट्रूमेंटेशन), बैच नंबर 2 के 22 प्रशिक्षुओं को 17-19 जनवरी, 2023 के दौरान सैटेलाइट मौसम विज्ञान प्रभाग में ऑन जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) प्रदान की गई।

डॉ.कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'एफ' ने **42**वें मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) गहन प्रशिक्षण में भाग लिया। यह प्रशिक्षण साइबर सुरक्षित भारत के तहत था और **5** से **9** फरवरी, **2024** तक भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में भौतिक मोड में आयोजित किया गया था।

डॉ.कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'एफ' ने **19** और **23** फरवरी, **2024** को वर्चुअल मोड में रेडियो फ्रीक्वेंसी मामलों पर प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया जो पोर्ट ऑफ स्पेन में आयोजित किया गया था।

आईएसएसडी ने **13** दिसंबर, **2023** से **12** जनवरी, **2024** तक यूनिफाइड मोबाइल ऐप के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया, जिसमें एनडब्ल्यूपी, यूएआईडी, सीडब्ल्यूसी, सीएएमडी जैसे डिवीजनों के नामांकित व्यक्तियों के साथ सुश्री आरवी सॉल्यूशंस के प्रतिनिधि मॉड्यूल सीखने के लिए यूनिफाइड मोबाइल ऐप बैठक में भाग ले रहे हैं।

श्री सनी चुग, वैज्ञानिक 'डी' ने दिसंबर, जनवरी और फरवरी, **2024** के दौरान आईसीआईटीसी में डायरेक्ट साइंटिस्ट बैच और आईसीआईटीसी में एएमटीसी बैच में संचार प्रणालियों, नेटवर्किंग, डब्लूएमओ जीटीएस प्रक्रियाओं, सुरक्षा प्रणालियों आदि से संबंधित व्याख्यान दिए।

श्री सनी चुग, वैज्ञानिक 'डी' ने फरवरी, **2024** के दौरान डब्ल्यूएमओ आरटीएच सिस्टम से संबंधित एमटीआई में चल रहे एफटीसी बैच के व्याख्यान दिए।

व्याख्यान/वार्ता/वेबिनार

श्री रामाश्रय यादव, वैज्ञानिक 'डी' ने **1** जनवरी, **2024** को जीआईडीएम प्रशिक्षुओं को "प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली: भारत में आईएमडी की सेवाएं" के संबंध में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. अशोक कुमार दास, वैज्ञानिक 'एफ' ने **17** जनवरी, **2024** को एफटीसी प्रशिक्षुओं के बैच नंबर एफटीसी-**197** के लिए "**मात्रात्मक वर्षा पूर्वानुमान और मात्रात्मक वर्षा पूर्वानुमान**" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया। ।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने **19-20** जनवरी, **2023** के दौरान एग्री विजन **2024** में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया और कार्यक्रम के दौरान एक पूर्ण व्याख्यान दिया।

एग्री विजन 2024 के दौरान आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र

डॉ. ए.के. मित्रा, वैज्ञानिक 'एफ' ने **22** जनवरी, **2024** को आईएमडी डेटा उत्पाद - आईएमडी द्वारा महत्वपूर्ण और उपयोगिता विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. अशोक कुमार दास, वैज्ञानिक 'एफ' ने **22** जनवरी, **2024** को सीडब्ल्यूसी (मुख्यालय) के अधिकारियों और कर्मचारियों और फील्ड अधिकारियों को "आईएमडी वेबसाइट (केंद्रीय और क्षेत्रीय मौसम केंद्र) में दिए गए डेटा उत्पाद जो प्रासंगिक/वर्षा की भविष्यवाणी से जुड़े हैं" के संबंध में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया। .

डॉ. अशोक कुमार दास, वैज्ञानिक 'एफ' ने **24** जनवरी, **2024** को जीआईडीएम (गुजरात इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट) के प्रशिक्षुओं को "भारत/गुजरात में आईएमडी की जल मौसम विज्ञान सेवाओं" के संबंध में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. ओ. पी. श्रीजीत, वैज्ञानिक 'एफ' ने **23** जनवरी, **2024** को "आईएमडी डेटा उत्पाद - महत्वपूर्ण और उपयोगिता" विषय पर दो दिनों के लिए "ऑनलाइन व्याख्यान" के दौरान "अल नीनो ऑसिलेशन (ईएनएसओ) और हिंद महासागर डिपोल (आईओडी) और मानसून के साथ इसके संबंध पर एक ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया है। .

डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'डी' ने **24** जनवरी, **2024** को कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर, कर्नाटक के स्नातक छात्रों और संकाय सदस्यों और **30** जनवरी, **2024** को कृषि महाविद्यालय, भीमारायंगुड़ी, कर्नाटक के स्नातक छात्रों और संकाय सदस्यों को "कृषि समुदाय के लिए आईएमडी सेवाओं" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. सत्यभान बी. रत्ना, वैज्ञानिक 'ई' ने **1** फरवरी, **2024** को सीआरआईडीए, हैदराबाद में "जलवायु लचीली खेती के लिए मौसम की जानकारी के अनुप्रयोग" पर आईसीएआर-विंटर स्कूल के लिए व्याख्यान दिया।

डॉ. कृपान घोष, वैज्ञानिक 'एफ', डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'डी', डॉ. जया धामी परिहार, वैज्ञानिक 'डी' और डॉ. आशा लटवाल, वैज्ञानिक 'सी' ने डॉ. डी.एस. पाई, वैज्ञानिक'जी', आईएमडी, नई दिल्ली **28** फरवरी, **2024** को द्वारा "जलवायु परिवर्तन के लिए तैयारी: जलवायु प्रतिक्रिया के लिए हालिया पद्धतियां" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान में भाग लिया। ।

डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'डी' और डॉ. जया धामी परिहार एससी 'डी' ने **12-13, 19-20** और **26-27** मार्च, **2024** को कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ के स्नातक छात्रों और संकाय सदस्यों को "कृषि समुदाय के लिए आईएमडी सेवाओं" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. कृपान घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने **21** मार्च, **2024** को रिलायंस फाउंडेशन, मुंबई द्वारा आयोजित "आईएमडी के विभिन्न एपीआई और वेबसाइटों के प्रभावी उपयोग" प्रशिक्षण कार्यक्रम में वर्चुअल मोड के माध्यम से "एग्रोमेट एडवाइजरी सर्विसेज" पर व्याख्यान दिया।

व्याख्यान

डॉ. ओ. पी. श्रीजीत, वैज्ञानिक 'एफ' ने एमएससी के लिए "वन्यजीव विज्ञान और पक्षीविज्ञान के दौरान भारत में जलवायु परिवर्तन के अवलोकन संबंधी पहलू" पर एक अतिथि व्याख्यान **18** जनवरी, **2024** को जलवायु परिवर्तन पारिस्थितिकी के एक भाग के रूप में क्रेडिट पाठ्यक्रम में दिया।

आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने **20** जनवरी, **2024** को भुवनेश्वर में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस "ओडिसी" के दौरान सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया और आमंत्रित भाषण दिया।

डॉ. सोमा सेन रॉय, वैज्ञानिक 'एफ' ने वीसी के माध्यम से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) देशों के जल-मौसम विज्ञान सेवाओं के युवा विशेषज्ञों के गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया और आईएमडी की मौसम और जलवायु सेवाओं पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

श्री सी. एस. पाटिल, वैज्ञानिक 'ई' ने **19-20** जनवरी, **2024** के दौरान क्राइस्ट डीम्ड यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और जलवायु, स्मार्ट टिकाऊ भविष्य के लिए एआई की भूमिका पर एक राष्ट्रीय सेमिनार में "जलवायु परिवर्तन" पर एक व्याख्यान दिया।

पैनल चर्चा/साक्षात्कार

श्री रामाश्रय यादव, वैज्ञानिक 'डी' ने **3** जनवरी, **2024** को गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद में डीएएमयू के लिए पर्यवेक्षक की भर्ती के लिए पैनल सदस्य के रूप में एक साक्षात्कार में भाग लिया।

विदेशी प्रतिनियुक्ति

डॉ. एस. आई. लस्कर, वैज्ञानिक 'ई', मनामा, बहरीन में जलवायु सेवाओं में दक्षताओं के कार्यान्वयन पर डब्ल्यूएमओ पाठ्यक्रम के लिए **21-25** जनवरी, **2024** को प्रतिनियुक्ति पर थे।

सुश्री रंजू मदान, वैज्ञानिक 'जी', **श्री अंशुल चौहान**, वैज्ञानिक 'सी', **श्री कपिल देव मीना, CAFAT** आईएमडी के जीयूएएन स्टेशनों के संचालन के लिए संगत ग्राउंड रिसीविंग सिस्टम के साथ-साथ जीपीएस रेडियोसॉन्डेस की एफएटी (फैक्टरी स्वीकृति परीक्षण) खरीद का सीएएफएटी **02-09** फरवरी, **2024** के दौरान जापान में प्रतिनियुक्ति पर थे।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक आईएमडी, जिनेवा में सैटेलाइट मामलों पर उच्च स्तरीय नीति (सीएम-**15**) पर परामर्शदात्री बैठक के **15**वें सत्र में भाग लेने के लिए **06-07** फरवरी, **2024** के दौरान प्रतिनियुक्ति पर थे।

डॉ. एस.एन.दत्ता, वैज्ञानिक 'जी', डॉ. बी. गीता, वैज्ञानिक 'डी', डॉ. बुशैर एमटी, एससी 'सी', कोलंबो, श्रीलंका में चौथे दक्षिण एशिया हाइड्रोमेट फोरम (एसएएचएफ-IV) में भाग लेने के लिए **06-09** फरवरी, **2024** के दौरान प्रतिनियुक्ति पर थे।

श्री एस. पी. सिंह, वैज्ञानिक 'डी' **27** फरवरी से **01** मार्च, **2024** के दौरान **56**वें ईएससीएपी/डब्ल्यूएमओ टाइफून समिति सत्र, कुआलालंपुर, मलेशिया में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्ति पर थे।

डॉ.डी. एस. पाई, वैज्ञानिक 'जी', डॉ. सोमा सेन रॉय, वैज्ञानिक 'एफ' और श्री ए. डी. ताथे, वैज्ञानिक 'ई' **4-9** मार्च, **2024** के दौरान तीसरे (**SERCOM-3**) और लिंग सम्मेलन, बाली, इंडोनेशिया में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्ति पर थे।

श्री गजेंद्र कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' **18-21** मार्च, **2024** के दौरान आईसीएओ एशिया और प्रशांत (एपीएसी), मौसम विज्ञान सूचना विनिमय कार्य समूह (एमईटी/आईई डब्ल्यूजी/**22**) की **22**वीं बैठक में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्ति पर था।

डॉ. अशीम कुमार मित्रा, वैज्ञानिक 'एफ' **19-21** मार्च, **2024** के दौरान मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाली (डीबीनेट) की **7**वीं बैठक में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्ति पर था।

श्री सुनीत दास, वैज्ञानिक 'एफ' मौसम विज्ञान उपग्रह डेटा विश्लेषण पर ट्रेनिंग के संचालन के लिए **25-29** मार्च, **2024** को प्रतिनियुक्ति पर थे और **डॉ. एच.आर. बिस्वास**, वैज्ञानिक 'एफ' एनसीएचएम, भूटान में शॉर्ट-रेंज मौसम पूर्वानुमान (मध्यवर्ती से उन्नत परिचालन मौसम विज्ञान) पर प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए **22-26** मार्च, **2024** को प्रतिनियुक्ति पर थे।

समझौता ज्ञापन

आईएमडी के महानिदेशक **डॉ. एम. महापात्र** ने उत्तर प्रदेश में अवलोकन नेटवर्क को बढ़ाने के लिए **8** मार्च, **2024** को उत्तर प्रदेश सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

आईएमडी के महानिदेशक **डॉ. मृत्युंजय महापात्र** ने दोनों एजेंसियों के बीच सहयोग बढ़ाने और देश में विभिन्न आर्थिक गतिविधियों की योजना बनाने के लिए आरबीआई के साथ मौसम और जलवायु संबंधी जानकारी साझा करने के लिए आईएमडी और आरबीआई के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के समारोह के दौरान **आरबीआई गवर्नर श्री शक्तिकांत दास** से **14** मार्च, **2024** को शिष्टाचार मुलाकात की तथा आरबीआई और आईएमडी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

आरबीआई और आईएमडी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

उपलब्धियाँ/प्रशंसाएँ/पुरस्कार

उपलब्धियाँ

मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल और महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने **14** फरवरी, **2024** को छतरपुर, मध्य प्रदेश में दीक्षांत समारोह के दौरान आईएमडी के महानिदेशक **डॉ. मृत्युंजय महापात्र** को विज्ञान की मानद उपाधि (डी.एससी.) प्रदान की।

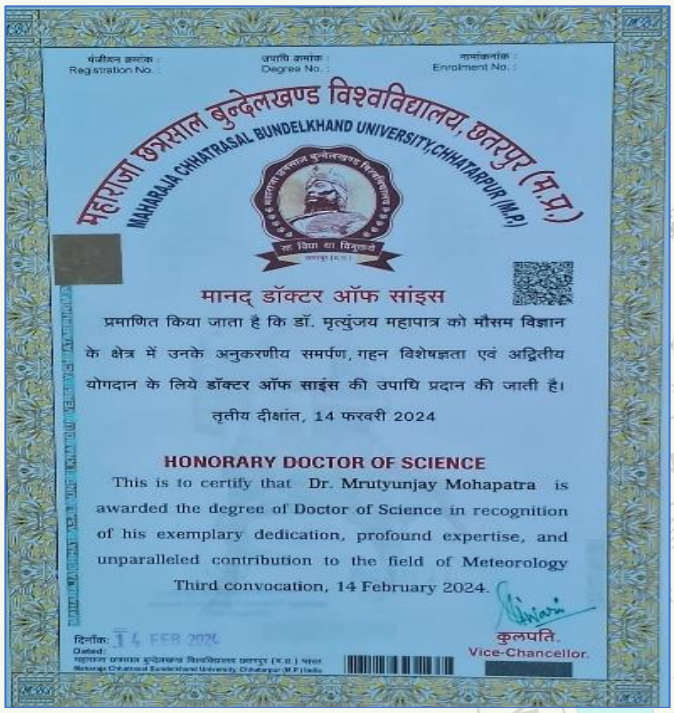
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)
MAHARAJA CHHATRASAL BUNDELKHAND UNIVERSITY, CHHATARPUR (M.P.)

मानद् डॉक्टर ऑफ सांइस

प्रमाणित किया जाता है कि डॉ. मृत्युंजय महापात्र को मौसम विज्ञान के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय समर्पण, गहन विशेषज्ञता एवं अद्वितीय योगदान के लिये डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि प्रदान की जाती है।

तृतीय दीक्षांत, 14 फरवरी 2024

HONORARY DOCTOR OF SCIENCE

This is to certify that Dr. Mrutyunjay Mohapatra is awarded the degree of Doctor of Science in recognition of his exemplary dedication, profound expertise, and unparalleled contribution to the field of Meteorology

Third convocation, 14 February 2024.

कुलपति
Vice-Chancellor

आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र को विज्ञान की डिग्री (D.Sc.) की मानद उपाधि प्रदान की

सिक्किम के मुख्य सचिव **श्री वी.बी. पाठक**, आईएएस ने **16** फरवरी, **2024** को आईएमडी मुख्यालय का दौरा किया और विशेष रूप से हाल ही में सिक्किम बाढ़, **2023** के दौरान उनकी अनुकरणीय सेवाओं के लिए मौसम विज्ञान केंद्र गंगटोक की टीम सहित **डॉ. मृत्युंजय महापात्र**, महानिदेशक आईएमडी और उनकी टीम को एक प्रशंसा पत्र प्रस्तुत किया।

मुख्य सचिव, सिक्किम श्री. वीबी पाठक, आईएएस ने आईएमडी मुख्यालय का दौरा किया तथा 16 फरवरी, 2024 को एक प्रशंसा पत्र डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी को प्रदान करते हुए

भारत की माननीय राष्ट्रपति **श्रीमती द्रौपदी मुर्मू** ने उत्कल विश्वविद्यालय के **53**वें दीक्षांत समारोह के दौरान मौसम विज्ञान के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय समर्पण, गहन विशेषज्ञता और अद्वितीय योगदान के लिए ओडिशा के राज्यपाल, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, ओडिशा और कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय की उपस्थिति में मौसम विज्ञान के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात୍र को विज्ञान की मानद उपाधि से **29** फरवरी, २०२४ को सम्मानित किया।

भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने उत्कल विश्वविद्यालय के 53वें दीक्षांत समारोह के दौरान डॉ. मृत्युंजय महापात्र ,महानिदेशक आईएमडी को विज्ञान की मानद उपाधि, प्रदान की

पुरस्कार

WMO दिवस-2024 के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार

क्रम सं.	अधिकारियों का नाम और पदनाम	कार्यालय/प्रभाग/तैनाती का स्थान
1.	श्री टी. अरुलालन, वैज्ञानिक, 'सी'	एनडब्ल्यूपी, डीजीएम कार्यालय, नई दिल्ली
2.	सुश्री सुमन गुजर, वैज्ञानिक, 'डी'	आईएसएसडी, डीजीएम, कार्यालय, नई दिल्ली

3.	श्री अंशुल चौहान, वैज्ञानिक, 'सी'	यूएआईडी, डीजीएम, कार्यालय
4.	श्री कृष्णा मिश्रा, वैज्ञानिक, 'सी'	एनडब्ल्यूएफसी, डीजीएम कार्यालय, नई दिल्ली
5.	श्री एम.टी. बुशेयर, वैज्ञानिक, 'सी'	एनडब्ल्यूपी, डीजीएम कार्यालय, नई दिल्ली
6.	श्री रमा नाइक डी, मौसम विज्ञानी-बी	एएमएस बाजपे, मौसम कार्यालय, मंगलुरु
7.	श्री वी.पी. देवेसिया, मौसम विज्ञानी-ए	एएमएस, कोझिकोड
8.	श्री आर.के. महापात्र, मौसम विज्ञानी-बी	एम.सी. भुबनेश्वर
9.	सुश्री रेनू वर्मा, मौसम विज्ञानी-बी	डीजीएम (एएएसडी)
10.	सुश्री याशिका गर्ग, , मौसम विज्ञानी-ए	डीजीएम (हाइड्रोलॉजी)
11.	सुश्री रिदम नासवा, मौसम विज्ञानी-ए	डीजीएम (यूएआईडी)
12.	श्री. ए.पी. विजयन, प्र. अ.-III	आरएमसी चेन्नई
13.	श्री. एच.डब्लू. जोशी, प्र. अ.-II	डीजीएम, नई दिल्ली
14.	श्री अमित कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक सहायक	एमसी रायपुर
15.	श्री. पी. कार्तिक, वैज्ञानिक सहायक	एम.सी. तिरुवंतपुरम
16.	सुश्री कुसुम लता, वैज्ञानिक सहायक	डीजीएम (एनडब्ल्यूएफसी)
17.	सुश्री नीरू बराक, वैज्ञानिक सहायक	डीजीएम (सीडब्ल्यूडी)
18.	श्री राहुल भुरवान, वैज्ञानिक सहायक	डीजीएम (स्थापना)
19.	सुश्री दिव्या कुमारी, वैज्ञानिक सहायक	डीजीएम (आईएसएसडी)
20.	श्री पी अली शेख कादर, सहायक	आरएमसी, चेन्नई
21.	श्री. पी.के. वर्मा, सहायक.	डीजीएम (बी एंड पी)
22.	सुश्री रजनी शर्मा, सहायक	डीजीएम (बिल)
23.	श्री बागेश कुमार, यूडीसी	एमसी पटना
24.	श्री. ढांढपानी, एमओ-I	आरएमसी चेन्नई
25.	सुश्री ईशा चंद्रा, यूडीसी	डीजीएम (मेडिकल बिल)
26.	सुश्री लक्ष्मी दुबे, यूडीसी	डीजीएम (स्थापना)
27.	श्री शरीफ खान, एमटीएस	एमसी भोपाल
28.	श्री. कनक चंद्र दास, एमटीएस	आरएमसी, गुवाहाटी
29.	श्री. चन्द्रशेखर एन, एमटीएस	एएमएस बाजपे

डब्लूएमओ दिवस-2024 के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ आरएमसी/एमसी/एमओ/एएमओ/एएमएस/डीडब्ल्यूआर पुरस्कार

1.	सर्वश्रेष्ठ आरएमसी/एमसी	एम.सी. पटना
2.	सर्वश्रेष्ठ एएमओ/एमडब्ल्यूओ/एएमएस	एएमओ कोलकाता
3.	सर्वश्रेष्ठ एम.ओ.	एम.ओ. नालिया और एम.ओ. बापटला
4.	सर्वश्रेष्ठ डीडब्ल्यूआर	डीडब्ल्यूआर नागपुर

अनुसंधान एवं प्रकाशन

मौसम (खंड 75, संख्या 1), जनवरी, 2024 अंक में पच्चीस (25) शोध लेख प्रकाशित हुए हैं।

मौसम और अन्य विभागीय पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध लेख निम्नलिखित हैं जो आईएमडी अधिकारियों द्वारा लिखे गए हैं:

नीलेश वाघ और पुलक गुहाठाकुरता, 2024, "महाराष्ट्र और गोवा में मासिक वर्षा और तापमान डेटा श्रृंखला को समरूप बनाना", मौसम, 75, 1, 17-34। https://doi.org/10.54302/ mausam.v75i1.5886।

निष्ठा सहगल, तन्वी मल्हन, आर. 1, 61-72. https://doi.org/10.54302/mausam.v75i1.5916।]

गीता अग्निहोत्री और एम.राजावेल, **2024,** "कावेरी और पूर्व की ओर बहने वाली नदी बेसिन, भारत पर मात्रात्मक वर्षा पूर्वानुमान के लिए सिनोप्टिक एनालॉग मॉडल का विकास", मौसम, **75, 1, 89-100**। **https://doi.org/10.54302/mausam.v75i1.5099**।

नीति सिंह, **सी.एस. तोमर**, **गजेंद्र कुमार**, **अरुण एस.एच.**, **दिनेश कुमार सांखला**, **सुमंत कुमार दिवाकर और सेबिन जॉन**, **2024,** "कोंकण में वर्षा के अस्थायी रूपांतर" गोदरिंग **1901-2020"**, मौसम, **75, 1, 101-108, https://doi.org/ 10.54302/mausam.v75i1.803**।

पर्वत रबी नस्कर और दुष्मंता रंजन पटनायक, 2024, "सतह के गुप्त ताप प्रवाह और अन्य मापदंडों के साथ बंगाल की खाड़ी के उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की तीव्रता में भिन्नता", मौसम, **75, 1, 131-138**। **https://doi.org/10.54302/mausam.v75i1.765**।

प्रियंका सिंह, **आर.के. मॉल**, **के.के. सिंह और ए.के. दास**, **2024,** "डब्ल्यूआरएफ मॉडल पूर्वानुमानों का सत्यापन और बिहार, भारत में कृषि निर्णय समर्थन के लिए उनका उपयोग", मौसम, **75, 1, 197-204**। **https://doi.org/10.54302/mausam.v75i1.6037**।

अनूप कुमार मिश्रा, **मोहम्मद सुहैल मीर और वांगनुरू नागराजू**, **2024,** "अंतरिक्ष से **2019** के मानसून के मौसम के दौरान भारत के एक पश्चिमी राज्य की अत्यधिक बाढ़ की घटनाओं की खोज", मौसम, **75, 1, 245-248, https://doi.org/ 10.54302/** मौसम.**v75i1.3568.**

सनी चुग, **शंकर नाथ, 2024,** "भारत मौसम विज्ञान विभाग में एपीआई के माध्यम से सामाजिक मौसम, सामान्य चेतावनी प्रोटोकॉल और प्रसार सेवाओं में हालिया प्रगति", मौसम, **75, 1, 283-294**। **https://doi.org/10.54302/mausam.v75i1.6146**।

अन्य विभागीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित

डॉ पटनायक, ए. अलोन, **2024,** "भारत में मानसून वर्षा का जिला स्तरीय विस्तारित रेंज पूर्वानुमान: संभावनाएँ और सीमाएँ" शुद्ध और अनुप्रयुक्त भूभौतिकी, **181, 1, http://dx.doi.org/10.1007/s00024-023-03417-5**

विश्वकर्मा, विजय; पटनायक, संदीप; बैस्या, हिमाद्रि, "वर्षा और नमी स्रोत की दशकीय परिवर्तनशीलता एट्रिब्यूशन ओवर इंडिया" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लाइमेटोलॉजी, **44,2, http://dx.doi.org/10.1002/joc.8352**

रानालकर, **एमआर; गिरि**, **आर. के;** रे, के, "उत्तरी हिंद महासागर में तेजी से बढ़ते उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की जलवायु संबंधी विशेषताएं" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लाइमेटोलॉजी, **44, 4, http://dx.doi.org/10.1002/joc.8379**.

अनुप, एन., रोहित, बी., विजिथ, वी., रोज़, एल., श्रीराज, पी., साबू, ए., कृष्णमोहन, के.एस., सुदीपकुमार, बी.एल., सुनील, ए.एस., सुनील, पी.एस., (2024), "ज्वालामुखीय विस्फोट हिंद महासागर में एक दुर्लभ उल्कापिंड सुनामी को ट्रिगर करता है", भूभौतिकीय अनुसंधान पत्र, 51, e2023GL108036। https://doi.org/10.1029/2023GL108036।

अन्य प्रकाशन

"नदी उप-बेसिन मात्रात्मक वर्षा पूर्वानुमान 'दक्षिण पश्चिम मानसून 2023 का सत्यापन" शीर्षक से एक तकनीकी रिपोर्ट डॉ. मधुलता अक्किसेटी, वैज्ञानिक 'डी' और हाइड्रोमेट डिवीजन, आरएमसी और एमसी, के कई लेखक द्वारा प्रकाशित की गई है। । मेट मोनोग्राफ संख्या - MoES/ IMD/ H.S/ बेसिन हाइड्रोलॉजी/ 01(2024)/16. साथ ही QPF की वैधता 5 दिन से बढ़ाकर 7 दिन कर दी गई है.

डॉ. एस. आई. लस्कर, वैज्ञानिक 'ई' **"2014-2018** के दौरान पूर्वोत्तर भारत में प्री-मॉनसून तूफ़ान/नॉर्थवेस्टर के सहयोग से थर्मोडायनामिक सूचकांकों का अध्ययन" 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड रिसर्च पब्लिकेशन्स, भाग **14,** अंक **1** प्रकाशन आईएसएसएन **2250-3153,** जनवरी **2024** के तहत प्रकाशित हुआ।

आउटरीच और मीडिया इंटरेक्शन

एकीकृत मोबाइल ऐप और निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस) 15 जनवरी, 2024 को आईएमडी के 150वें स्थापना दिवस समारोह के उद्घाटन समारोह में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति **श्री जगदीप धनखड़** द्वारा लॉन्च किया गया था।

मौसम मोबाइल ऐप के लिए परिचयात्मक वीडियो और आईएमडी का थीम गीत **15** जनवरी **2024** को आईएमडी के **150**वें स्थापना दिवस समारोह के उद्घाटन समारोह में जारी किया गया था।

अनुभव आउटरीच अभियान, **2024** के तहत पेंशनभोगियों और जल्द ही सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को हर महीने की **1** और **15** तारीख को ई-मेल भेजने की सुविधा **METNET** पर बनाई गई है।

सभी आईएमडी कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र मेटनेट पर **17** सितंबर से लाइव कर दिए गए हैं। **17** जनवरी, **2024** आरंभ में तीन फॉर्म नीचे सूचीबद्ध हैं: **a.** उच्च शिक्षा की अनुमति बी. अचल संपत्ति खरीदने की सूचना सी. चल संपत्ति क्रय करने की सूचना.

आईएमडी ने जनवरी, **2024** के महीने के लिए तापमान और वर्षा के मासिक दृष्टिकोण के संबंध में **1** जनवरी, **2024** को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने प्रेस को जानकारी दी। इस संबंध में जारी प्रेस विज्ञप्ति का विस्तृत विवरण लिंक पर उपलब्ध है: **https://internal.imd.gov.in/press_release/ 20240131_pr_2788.pdf**।

जनवरी-**2024** के महीने में कृषि के लिए प्रभाव आधारित पूर्वानुमान (आईबीएफ), **671** जिला स्तरीय एएएस बुलेटिन, **2969** ब्लॉक स्तरीय एएएस बुलेटिन जारी किए गए और एएएस के लिए **0.367** मिलियन मेघदूत मोबाइल ऐप डाउनलोड किए गए। एग्रोमेट सलाह व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से **2,76,26, 903** फ्रेमर्स को प्रसारित की गई और एग्रोमेट सलाह राज्य सरकार के माध्यम से प्रसारित की गई। मोबाइल ऐप्स **15.6** मिलियन किसान।

फरवरी-2024 **माह में कृषि के लिए प्रभाव आधारित पूर्वानुमान** (आईबीएफ), **652** जिला स्तरीय एएएस बुलेटिन, **2635** ब्लॉक स्तरीय एएएस बुलेटिन जारी किए गए और एएएस के लिए **368000** मेघदूत मोबाइल ऐप डाउनलोड किए गए। **4023** ब्लॉकों के **1,36,321** गांवों में **17,74,702** किसानों को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से कृषि मौसम संबंधी सलाह और राज्य सरकार के माध्यम से कृषि मौसम संबंधी सलाह प्रसारित की गई। मोबाइल ऐप्स **15.6** मिलियन किसान। जीकेएमएस के तहत **23** किसान जागरूकता कार्यक्रम (एफएपी) आयोजित किए गए।

मार्च-2024 के महीने में कृषि के लिए प्रभाव आधारित पूर्वानुमान (आईबीएफ), 649 जिला स्तरीय एएएस बुलेटिन और एएएस के लिए 371.8k मेघदूत मोबाइल ऐप डाउनलोड किए गए। 4023 ब्लॉकों के 137904 गांवों में 1803795 किसानों को व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से एग्रोमेट एडवाइजरी प्रसारित की गई और राज्य सरकार के माध्यम से एग्रोमेट एडवाइजरी प्रसारित की गई। मोबाइल ऐप्स 15.6 मिलियन किसान।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 1 मार्च, 2024 को तापमान और वर्षा के मासिक आउटलुक पर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। आईएमडी के महानिदेशक **डॉ. एम महापात्र** ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक प्रस्तुति दी।

बुनियादी ढाँचा विकास एवं स्थापनाएँ

मौसम पूर्वानुमान और आपदा चेतावनी के लिए मौसम संबंधी टिप्पणियों और भूमि और महासागर सतहों की निगरानी के लिए तीसरी पीढ़ी के मौसम संबंधी उपग्रह **INSAT-3DS** को 17 फरवरी, 2024 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत की मौसम संबंधी अवलोकन क्षमताओं में पर्याप्त प्रगति का प्रतीक है। **INSAT-3DS** की तैनाती मौसम संबंधी डेटा अधिग्रहण और विश्लेषण में एक नए युग की शुरुआत करती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और राष्ट्रीय मध्यम दूरी के मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ) सहित पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत विभिन्न विभाग बेहतर मौसम पूर्वानुमान और महत्वपूर्ण मौसम संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए उपग्रह के डेटा का उपयोग करेंगे।

आईएमडी ने 11 हेलीपोर्टों पर एच-एडब्ल्यूओएस स्थापित और चालू किया है, जिसका उद्घाटन 25 फरवरी, 2024 को ईटानगर अरुणाचल प्रदेश में माननीय केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री **श्री किरेन रिजिजू** ने द्वारा किया गया।]

श्री किरण रिजिजू, माननीय मंत्री, एमओईएस ने 28 फरवरी, 2024 को मौसम विज्ञान वेधशाला, गंगासागर सागर द्वीप, रुद्रनगर, दक्षिण 24, परगना जिला, पश्चिम बेनागल के शिलान्यास और भूमि पूजन समारोह की अध्यक्षता की।

लैंसडाउन में एक्स-बैंड डॉपलर वेदर रडार (डीडब्ल्यूआर) का उद्घाटन फरवरी, 2024 को माननीय मंत्री, एमओईएस **श्री किरण रिजिजू** द्वारा किया गया।

डॉ. मृत्युंजय महापात्र, महानिदेशक आईएमडी ने विमानन मौसम पूर्वानुमान से संबंधित संयुक्त अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के संबंध में 15 फरवरी, 2024 को **डॉ. मृदुला जी**, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सेंटर फॉर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स, सीएसआईआर, एनएएल, बैंगलोर के साथ बैठक की। बैठक में केंद्रीय विमानन मौसम विज्ञान प्रभाग के प्रमुख **श्री गजेंद्र कुमार** ने भी भाग लिया।

जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही के दौरान रेनफॉल नेटवर्क में 21 नए स्टेशन जोड़े गए

सेवाएं

माननीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने 23 फरवरी, 2024 को **डॉ. एम. महापात्र,** डीजी आईएमडी, माननीय सांसद और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, **श्री तीरथ सिंह रावत** और **श्री रणजीत सिन्हा**, सचिव, आपदा प्रबंधन, उत्तराखंड की उपस्थिति में लैंसडाउन, उत्तराखंड में डॉपलर मौसम रडार का उद्घाटन किया।

नई दिल्ली कार्यालय में आगंतुकों को अन्य विवरण के साथ उनकी तस्वीर लेने के बाद गेट पास जारी करने के लिए आईएमडी आगंतुक प्रबंधन प्रणाली (आईएमडी वीएमएस) 20 फरवरी, 2024 से डीजीएम कार्यालय में शुरू हुई।

सभी आईएमडी कर्मचारियों के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र मेटनेट पर 17 सितंबर से लाइव कर दिए गए हैं। 17 जनवरी, 2024 आरंभ में तीन फॉर्म नीचे सूचीबद्ध हैं: (अ) उच्च शिक्षा की अनुमति (बी) अचल संपत्ति खरीदने की सूचना सी. चल संपत्ति क्रय करने की सूचना।
पूर्व-आईएमडी कर्मचारियों के लिए दो मॉड्यूल बनाए गए 1) फीडबैक प्राप्त करना और 2) आईएमडी 150वें स्थापना दिवस समारोह के उद्घाटन समारोह में भागीदारी की पुष्टि।

सभी आईएमडी कर्मचारियों के लिए मेटनेट पर लाइव किए गए ऑनलाइन आवेदन पत्र इस प्रकार हैं:

- होम टाउन बदलने के लिए आवेदन - 14.07.2018 से 09.02.2024.
- विदेशी देशों की यात्रा के लिए पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए एनओसी जारी करने के लिए आवेदन - प्रभावी 09.02.2024
- एनपीएस फॉर्म 1 - सरकार सेवा के दौरान नौकर/ग्राहक की मृत्यु या अशक्तता या विकलांगता पर या सेवामुक्त होने की स्थिति में लाभ प्राप्त करने का विकल्प। - 01.07.2018 से 22.02.2024
- एनपीएस फॉर्म 2 - परिवार के विवरण के लिए फॉर्म 22.02.2024

नियारे जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी हो चुकी है और संबंधित परियोजना प्राधिकरण को भेज दी गई है।

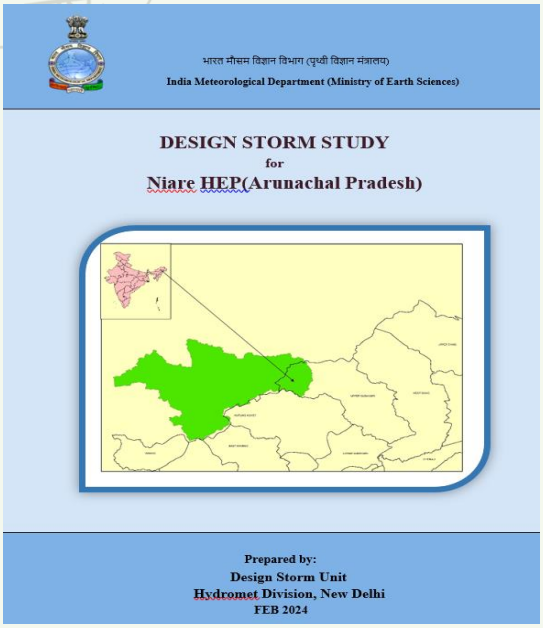

नियारे जलविद्युत परियोजना के लिए डिज़ाइन स्टॉर्म अध्ययन,अरुणाचल प्रदेश

महाराष्ट्र में **दो परियोजनाओं पोशीर परियोजना और शिलार मध्यम सिंचाई परियोजना** के लिए डिजाइन तूफान अध्ययन पूरा कर लिया गया है और मूल्य संबंधित परियोजना प्राधिकरण को भेज दिए गए हैं।

आगंतुक

15 जनवरी, 2024 को, INSAT AWS और सेंट्रल रेडिएशन लैब ने सेंट **जोसेफ हाई स्कूल**, पाशान में एक विज्ञान आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 700 छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया, जहां **श्री बी. सुदर्शन पात्रो**, वैज्ञानिक 'डी' और परियोजना वैज्ञानिक **डॉ. सोमनाथ मोहोतो** ने देश के लिए मौसम सेवाओं की आईएमडी की 150 साल की विरासत पर प्रकाश डाला। उन्होंने सतह, एडब्ल्यूएस, विकिरण, विमानन, रडार, उपग्रह और पूर्वानुमान सेवाओं के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और मॉडलों सहित उपयोग किए जाने वाले उपकरणों की व्याख्या की।

एनआईडी (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन) के छात्रों ने हीट वेव की तैयारी और शमन के संबंध में चर्चा के लिए दिनांक: **21** जनवरी, **2024** को एम.सी. अहमदाबाद का दौरा किया। ।

बीएसएफ शिलांग के डिप्टी कमांडेंट **श्री मनोज कुमार** ने एडब्ल्यूएस सहयोग और डेटा साझाकरण अनुरोध के लिए **5** फरवरी, **2024** को एमसी शिलांग का दौरा किया।

श्री पिन्शैनम माइलियेम, सलाहकार एनपीसीसीएचएच मेघालय ने **6** फरवरी, **2024** को दौरा किया।

शिलांग पॉलिटेक्निक के वरिष्ठ व्याख्याता **श्री ह्यूबर्ट सिंगकोन** ने मौसम पर चर्चा के लिए **8** फरवरी, **2024** को अपने परिवार के साथ एमसी शिलांग का दौरा किया।

एमिटी इंस्टीट्यूट नोएडा, एफटीसी बैच, आईएमटी प्रशिक्षु, दिल्ली विश्वविद्यालय, पीएम श्री के.वी. टैगोर गार्डन स्कूल, डीपीएस इंटरनेशनल स्कूल गुरुग्राम, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) के छात्रों सहित लगभग **408** आगंतुकों ने **1** जनवरी **2024** से **31** मार्च, **2024** तकसे सेंट्रल हाइड्रोमेट वेधशाला का दौरा किया।

नई दिल्ली में एफटीसी बैच के प्रशिक्षु

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र

नई दिल्ली में आईएमटी प्रशिक्षु

अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट ने एम.सी. अहमदाबाद की मदद से **29-30** जनवरी, **2024** को एक एडवांस वेदर बैलून लॉन्च इवेंट का आयोजन अहमदाबाद के विभिन्न सरकारी स्कूलों के **100** छात्रों के लिए किया।

अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट ने एडवांस वेदर बैलून लॉन्च इवेंट का आयोजन किया

पीडीईयू के **60** छात्रों ने एम.सी. अहमदाबाद का दौरा **2** फरवरी, **2024** किया जो की सेंटर फॉर एनवायरमेंट एजुकेशन द्वारा आयोजित किया गया।

एलडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के **140** छात्रों ने एम.सी. अहमदाबाद का दौरा, मौसम विज्ञान की कार्यप्रणाली पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए **13-14** मार्च, **2024** को किया।

14 मार्च, **2024** को, पंद्रह भारतीय वायु सेना प्रशिक्षुओं के एक समूह ने सीआर एंड एस पुणे में इनसैट एडब्ल्यूएस और रेडिएशन लैब का दौरा किया, जहां लैब टीम ने विज्ञान आउटरीच प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन किया। कार्यक्रम में एडब्ल्यूएस, विकिरण, पवन सुरंग और अंशांकन सुविधाओं को कवर करने वाले व्यापक सैद्धांतिक और व्यावहारिक सत्र शामिल थे।

भारतीय वायु सेना के प्रशिक्षुओं ने इन्सैट एडब्ल्यूएस और रेडिएशन लैब का दौरा किया सीआर एंड एस, पुणे में

23 मार्च, **2024** को, सीआर एंड एस पुणे ने मौसम विज्ञान प्रदर्शनी की व्यवस्था करके विश्व मौसम विज्ञान दिवस मनाया। सीआर एंड एस पुणे की मौसम और जलवायु सेवाओं की गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाली 'एट द फ्रंटलाइन क्लाइमेट एक्शन' विषय पर प्रदर्शनी का उद्घाटन सीआर एंड एस के एलएसीडी प्रमुख **डॉ. अनुपम कश्यपी** ने किया। प्रदर्शनी में मौसम विज्ञान और भूकंपीय उपकरणों का लाइव प्रदर्शन, छात्रों के लिए मौसम अवलोकन के लिए 'मौसम पर्यवेक्षक बनें' खंड, मौसम क्विज कॉर्नर और 'अंटार्कटिका अभियान' पर एक लघु वृत्तचित्र फिल्म दिखाई गई। छात्रों, वैज्ञानिकों, विद्वानों, पत्रकारों सहित लगभग **450** आगंतुकों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। सभी आगंतुकों ने बड़े उत्साह के साथ अपनी टिप्पणियाँ अंकित कीं। कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें नीचे दी गई हैं।

छात्रों, वैज्ञानिकों, विद्वानों, पत्रकारों सहित लगभग 450 आगंतुकों ने सीआर एंड एस पुणे में प्रदर्शनी का दौरा किया

मौसम की जानकारी

जनवरी

पश्चिमी विक्षोभ (WDs): कुल **4 WD** (**3-8** जनवरी, **7-11** जनवरी, **25-27** जनवरी और **29-31** जनवरी) भारत के सुदूर उत्तरी भागों में चले। लेकिन, **29-31** जनवरी, **2024** के अंतिम **WD** को छोड़कर सभी **30** डिग्री **N** के उत्तर में रहे। **29-31** जनवरी का यह **WD** सक्रिय था और इसके प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण के समर्थन से, दोनों ने जनवरी में सीज़न की पहली बारिश का कारण बना। **2024** में **29-31** जनवरी की अवधि के दौरान, कश्मीर और आसपास के पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी देखी गई और इसी अवधि के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के आसपास के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बारिश और ओलावृष्टि देखी गई।

कोहरा: भारत-गंगा के मैदानी इलाकों के कई हिस्सों में **1-31** जनवरी, **2024** के दौरान महीने की लगभग सभी तारीखों के दौरान बड़े पैमाने पर घना कोहरा/कम बादल छाए रहे। दिन-प्रतिदिन के संदर्भ में, यह रात-सुबह के घंटों के दौरान भी लंबी अवधि तक देखा गया। हालाँकि, **31** जनवरी, **2024** की रात से, सक्रिय **WD** के प्रभाव के कारण पूरे क्षेत्र के कई क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर कोहरा/कम बादल छा गया, जिसने इस क्षेत्र को प्रभावित किया और पूरे क्षेत्र में सतह पर तेज़ हवाएँ **31** जनवरी **2024** की दोपहर तक चलीं।.

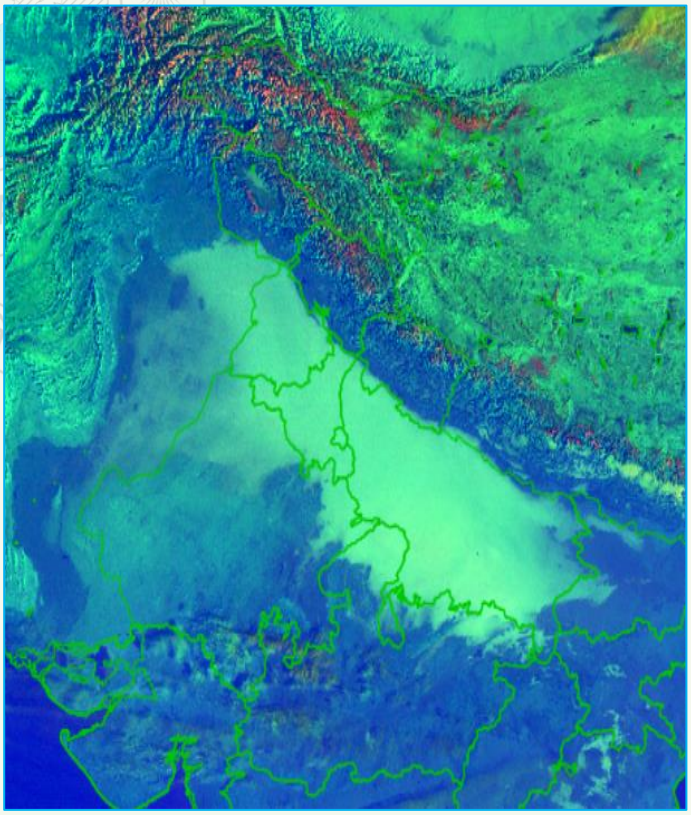

लंबे समय तक लगातार आईजीपी कोहरा/कम बादल छाये रहे 25 दिसंबर, 2023 से 31 जनवरी, 2024 के दौरान सर्वाधिक दिन(ऊपर INSAT 3D कोहरे/कम बादलों की कवरेज को दर्शाता है 28 दिसंबर और 29 जनवरी को आईजीपी क्षेत्र, 0830 बजे IST)

जनवरी-2024 के दौरान औसत तापमान

पूरे देश में जनवरी-2024 के महीने का औसत तापमान 20.12 डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य से +0.48 डिग्री सेल्सियस अधिक था। महीने का सामान्य तापमान 19.64 डिग्री सेल्सियस है।
30 जनवरी, 2024 को पुनालुर (केरल और माहे) में उच्चतम अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था और मैदानी इलाकों में 11 जनवरी, 2024 को सीकर (पूर्वी राजस्थान) में सबसे कम न्यूनतम तापमान -0.5 डिग्री सेल्सियस महीने के दौरान देश में दर्ज किया गया था।

फ़रवरी

मौसम की महत्वपूर्ण विशेषताएं

पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी): कुल **8** डब्ल्यूडी की संख्या (**30** जनवरी-**2** फरवरी, **3-8** फरवरी, **12-19** फरवरी, **18-22** फरवरी, **22-24** फरवरी, **23-27** फरवरी, **26-28** फरवरी और **28** फरवरी-**1** मार्च, **2024)** के कारण पश्चिमी हिमालयी राज्यों (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड) में **1-3** दिनों तक बारिश/बर्फबारी हुई। इन **8 WD** में से **6 WD** सक्रिय रूप से उत्तर और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में बारिश/टीएस और ओलावृष्टि का कारण बने।

फरवरी, **2024** की दूसरी छमाही के दौरान बंगाल की खाड़ी के ऊपर एंटी-साइक्लोनिक सर्कुलेशन से आने वाली हवाओं के साथ मध्य भारत में निचले स्तर पर पूर्वी हवाओं में एक उत्तर-दक्षिण ट्रफ देखी गई, जिसके कारण मध्य भारत और पूर्वी हिस्सों में छिटपुट ओलावृष्टि के साथ बारिश और गरज के साथ बारिश हुई।

पश्चिम में ट्रफ: पश्चिम में ट्रफ के कारण और उत्तरी बंगाल की खाड़ी से नमी के साथ निचले स्तर की हवाओं के समर्थन के कारण, **22** फरवरी को सिक्किम और **22** और **24** फरवरी को अरुणाचल प्रदेश की ऊंची चोटियों पर अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा/बर्फबारी दर्ज की गई; **23** फरवरी, **2024** को असम और त्रिपुरा में भारी वर्षा।

पूरे देश में फरवरी-**2024** के महीने में **19.7** मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो कि इसकी लंबी अवधि के औसत (एलपीए) **22.7** मिमी का **87%** है। श्रेणीवार, **01** मौसम उप-विभाग अधिक मात्रा में, **03** मौसम उप-विभाग अत्यधिक में, **12** मौसम उप-विभाग सामान्य में, **07** कम वर्षा में, **07** अधिक कमी में और **06** मौसम उप-विभाग वर्षा की "नो रेन" श्रेणी में हैं।

शीत ऋतु-2024 की वर्षा के आँकड़े। सर्दियों के मौसम -**2024** के लिए पूरे देश में **26.8** मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो कि इसकी लंबी अवधि के औसत (एलपीए) **39.8** मिमी का **67%** है। कुल मिलाकर, श्रेणी के अनुसार, **05** मौसम उप-विभाग अधिक मात्रा में, **03** मौसम उप-विभाग अधिक में, **05** मौसम उप-विभाग सामान्य में, **17** मौसम उप-विभाजन सामान्य में, **17** मौसम उप-विभाग अत्यधिक कमी में और **06** मौसम उप-विभाग अत्यधिक कमी में और कोई भी मौसम उप-विभाग वर्षा नहीं श्रेणी में है।

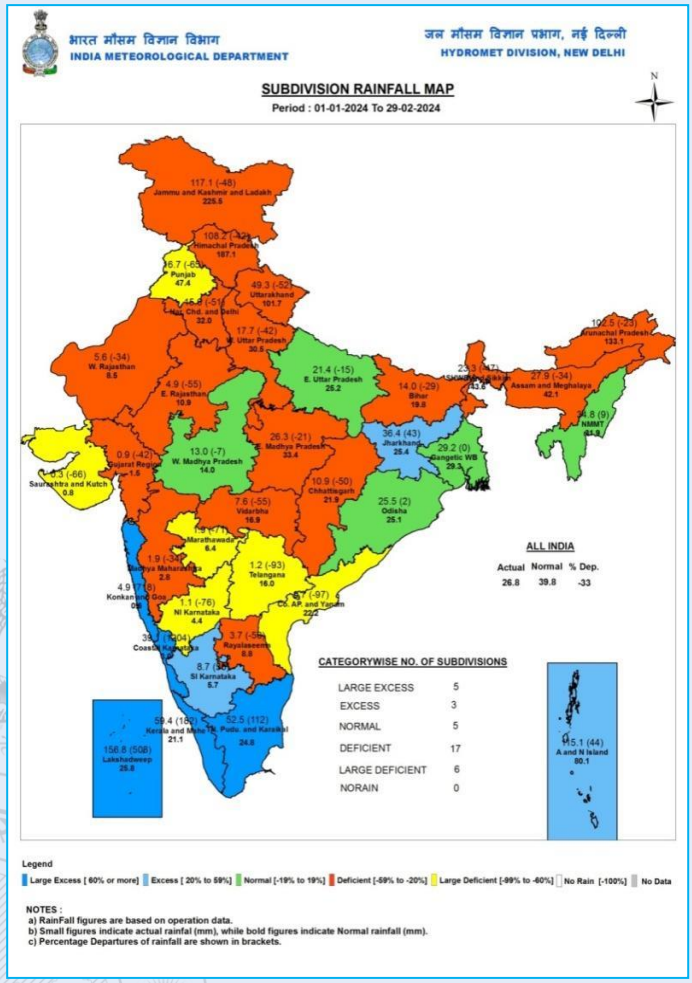

01-01-2024 से 29-02-2024 की अवधि के लिए उपविभागीय वर्षा मानचित्र

मार्च

मार्च-2024 **के दौरान औसत तापमान:** पूरे देश में मार्च-**2024** के महीने का औसत तापमान **24.92** डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य से **0.21** डिग्री सेल्सियस अधिक था। महीने का सामान्य तापमान **24.71°C** है।
27 मार्च, **2024** को अकोला (विदर्भ) में उच्चतम अधिकतम तापमान **42.8** डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था और **4** मार्च, **2024** को पिलानी (पूर्वी राजस्थान) और करनाल (हरियाणा) में सबसे कम न्यूनतम तापमान **5.0** डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। **6** मार्च, **2024** को महीने के दौरान देश के मैदानी इलाकों में।

जनवरी से मार्च 2024 **की अवधि के दौरान जलवायु की स्थिति का सारांश:**

जनवरी के महीने में, देश भर में औसत तापमान 0.34 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 18.37 डिग्री सेल्सियस था। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में औसत तापमान सबसे अधिक (1.0 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 25.32 डिग्री सेल्सियस) था और 1901 के बाद से न्यूनतम तापमान दूसरा सबसे अधिक (1.74 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 20.15 डिग्री सेल्सियस) था। मध्य भारत में न्यूनतम तापमान था 1901 के बाद से तीसरा उच्चतम (1.67 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 14.19 डिग्री सेल्सियस)। जनवरी 2024 के दौरान, पूरे

देश में कुल वर्षा एलपीए का 42% थी। मध्य भारत, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत, उत्तर-पश्चिम भारत और पूर्व एवं उत्तर-पूर्व भारत के सजातीय क्षेत्रों में वर्षा एलपीए का क्रमशः 72%, 233%, 9% और 33% थी।

फरवरी के महीने में, देश भर में औसत तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 21.10 डिग्री सेल्सियस था और न्यूनतम तापमान 1901 के बाद से दूसरा सबसे अधिक (0.79 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 14.61 डिग्री सेल्सियस) था। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में 1901 के बाद से औसत तापमान सबसे अधिक (1.20 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 27.13 डिग्री सेल्सियस) था। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम और न्यूनतम तापमान दोनों उच्चतम थे (0.97 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 33.09 डिग्री सेल्सियस, विसंगति के साथ 21.17 डिग्री सेल्सियस)। 1901 से क्रमशः 1.43 डिग्री सेल्सियस)। . पूर्वोत्तर भारत, उत्तर पश्चिम भारत, मध्य भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के सजातीय क्षेत्रों में वर्षा क्रमशः एलपीए का 113%, 87%, 82% और 9% थी।

मार्च महीने के दौरान, देश भर में औसत तापमान 0.22 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 24.92 डिग्री सेल्सियस था। मार्च के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में, अधिकतम तापमान 1901 के बाद से वर्ष 2016 (35.68 डिग्री सेल्सियस), 2010 (35.36 डिग्री सेल्सियस) के बाद तीसरा उच्चतम (0.68 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 35.28 डिग्री सेल्सियस) था। न्यूनतम तापमान था वर्ष 1901 के बाद से वर्ष 2016 (23.61 डिग्री सेल्सियस) के बाद दूसरा उच्चतम (1.05 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 23.33 डिग्री सेल्सियस)। औसत तापमान वर्ष 2016 के बाद दूसरा उच्चतम (0.87 डिग्री सेल्सियस की विसंगति के साथ 29.31 डिग्री सेल्सियस) था। 29.65 डिग्री सेल्सियस) 1901 से। मार्च 2024 के दौरान, पूरे देश में हुई वर्षा इसके दीर्घकालिक औसत (एलपीए) मूल्य का 95% थी। माह के दौरान मध्य भारत में एलपीए का 204%, उत्तर-पश्चिम भारत में एलपीए का 96%, पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत में एलपीए का 88% और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में एलपीए का 21% बारिश हुई।